एम. कॉम
तृतीय सत्र

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम)

सत्रीय कार्य

2025

जनवरी 2025 तथा जुलाई 2025 प्रवेश सत्र के लिए

तृतीय सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि
तृतीय सत्र
सत्रीय कार्य - 2025

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2025 और जुलाई 2025)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2025** है।

2. जो **जुलाई 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2026** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अनुसंधान विधियाँ एवं सांख्यिकीय विश्लेषण**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03/टी. एम. ए./ 2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क) अनुसंधान डिजाइन क्या है? अनुसंधान डिजाइन के विभिन्न घटकों की सूची बनाएं ? (20)

2. (क) सहसंबंध शब्द से आप क्या समझते हैं? स्कैटर आरेखों की सहायता से विभिन्न प्रकार के सहसंबंधों के बीच अंतर करें। (10+10)

   (ख) आंकड़ों की व्याख्या से आप क्या समझते हैं? आंकड़ों की व्याख्या में अक्सर होने वाली गलतियों के प्रकारों को स्पष्ट करें।

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए**: (4 X 5)

   क) "आंकडो के संग्रह का प्रतिनिधि मान उन आंकडो के केंद्रीय मूल्य को इंगित करने वाली एक संख्या है"।

   ख)) "एक अच्छी रिपोर्ट में स्पष्ट सोच, तार्किक संगठन और अच्छी व्याख्या का संयोजन होना चाहिए" ।

   ग) "सांख्यिकीय आंकडो की दृश्य प्रस्तुति अधिक लोकप्रिय हो गई है और अक्सर शोधकर्ता द्वारा इसका उपयोग किया जाता है"।

   घ) "अनुसंधान पूरी तरह से नए तथ्यों की खोज पर केंद्रित है और इसमें मौजूदा आंकडो का विश्लेषण या व्याख्या शामिल नहीं है।"

4. **निम्नलिखित पर संक्षेप में नोट लिखें** : (4 X 5)

   क) सांख्यिकीय आंकडो की दृश्य प्रस्तुति

   ख) न्यूनतम वर्ग विधि (Least Square Method)

   ग) एक अच्छी रिपोर्ट की विशेषताएँ

   घ) काई -स्क्वायर परीक्षण (Chi-square test)

5. **निम्नलिखित में अंतर कीजिए :** (4 X 5)

   क) प्राथमिक आंकड़े और द्वितीयक आंकड़े

   ख) तुलनात्मक पैमाने और गैर-तुलनात्मक पैमाने

   ग) आगमनात्मक (Inductive) और निगमनात्मक (Deductive) तर्क

   घ) यादृच्छिक प्रतिचयन और गैर-यादृच्छिक प्रतिचयन

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -07**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**वित्तीय प्रबंध**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -07/टी. एम. ए./ 2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क) भारत में वित्तीय प्रबंधकों के सामने आने वाली चुनौतियाँ की विवेचना कीजिए। (10+10)

ख) "मुद्रा के समय मूल्य" को समझाइये। इसमें ब्याज दर का महत्व क्या है ?

2. क) एक कम्पनी 2 रु. लाभाश देती है। चार वर्षों में प्रति वर्ष 20% की दर से वृद्धि की सम्भावना मानी गई। इस समय के पश्चात् 5% प्रति वर्ष सामान्य वृद्धि दर की आशा है। अपेक्षित प्रत्याय दर 12% है। वर्तमान कीमत ज्ञात कीजिये। (10+10)

ख) CAPM के सहयोग को उचित उदाहरण सहित समझाइये।

3. (क) ऋण पूंजी की लागत कैसे ज्ञात की जाती है? उदाहरण दीजिये। (10+10)

(ख) एक फर्म की साख नीति में साख शर्तों तथा साख प्रमाणों की भूमिका का विवेचना कीजिए।

4. (क) विभिन्न औपचारिक तथा अनौपचारिक साख व्यवस्थाओं की व्याख्या कीजिए। (10+10)

(ख) वित्तीय लीवरेज कब अनुकूल होते हैं? जोखिम पर इसके प्रभाव को बताइये।

5. (क) वित्तीय पट्टे तथा परिचालन पट्टे के बीच में अन्तर कीजिए। (10+10)

(ख) NPV तथा PI में अन्तर बताईये। इसमें से कौन सा बेहतर है ?

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -15**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**भारत का विदेशी व्यापार और निवेश**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -15/टी. एम. ए./ 2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. विदेशी व्यापार विकास के इंजन के रूप में कैसे काम करता है। विदेशी व्यापार नीति के उद्देश्यों के रूप में आवक अभिविन्यास और बाह्य अभिविन्यास के बीच अंतर करें। इस संदर्भ में भारत की विदेश नीति में बदलावों की भी जाँच करें। (4+8+8)

2. क) "भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी पूंजी की आवश्यकता की जाँच करें और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर सरकार की नीति की आलोचनात्मक चर्चा करें। (10+10)

   ख) "क्या यह सच है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ऐसी है कि अकेले घरेलू बचत नियोजित निवेश के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती है, और उस उद्देश्य के लिए विदेशी पूंजी का आयात आवश्यक है"? अपने तर्कों को विस्तृत करें।

3. निम्नलिखित कथनों पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिए : (4X5)

   क) भारतीय फर्मों को वैश्विक बाजारों में प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा करने की सुविधा के लिए उपयुक्त नीति और रणनीति अपनाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

   ख) आयात भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

   ग) भारतीय कृषि क्षेत्र अपनी प्राकृतिक शक्तियों के कारण कम बढ़ रहा है।

   घ) भारतीय कपड़ा उद्योग अर्थव्यवस्था के सबसे नए और सबसे छोटे उद्योगों में से एक है।

4. निम्नलिखित के बीच अंतर करें: (4X5)

   क) आयात प्रतिस्थापन और निर्यात संवर्धन

   ख) भारी इंजीनियरिंग उद्योग और हल्की इंजीनियरिंग उद्योग

   ग)) अमूर्त सेवा और अविभाज्य सेवा

   घ) चालू खाते पर भुगतान संतुलन और पूंजी खाते पर भुगतान संतुलन

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें: (4X5)

   क) व्यापार मंडल

   ख) ऊन और ऊनी निर्यात संवर्धन परिषद (WWEPC)

   ग) रत्न और आभूषण क्षेत्र की ताकतें

   घ) समृद्ध योजना

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -02/ टी. एम. ए. / 2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. एक कंपनी अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश करना चाहती है। कंपनी ने निर्णय लिया कि वह दूसरी स्थानीय कंपनी के साथ मिलकर कार्य करेगी। प्रवेश के वह तरीके बताइये जहाँ विदेशी कंपनी की भागीदारी की गुंजाइश संभव है। उन तरीकों की व्याख्या करें और आलोचनात्मक रूप से मल्यांकन करें और बताएं कि उनमें से प्रत्येक किस स्थिति में उपयुक्त है। **(20)**

2. "विपणनकर्ताओं को उत्पादों की तुलना में सेवाओ के विपणन के दौरान अनेक अद्वितीय चुनौतियों का सामना करना पड़ता है"। ऐसा क्यों है? समझाइए तथा विपणन चुनौतियों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। **(20)**

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए: **(4X5)**

(क) विज्ञापन अनुरोध और उत्पाद विशेषता

(ख) ई.पी.आर.जी. का स्थिति निर्धारण

(ग) अंतर्राष्ट्रीय विपणन में मूल्य निर्धारण विधियाँ एवं नीतियाँ

(घ) अंतर्राष्ट्रीय विपणन की अवधारणा

4. निम्नलिखित में अंतर कीजिए: **(4X5)**

(क) वारण्टी और गारण्टी

(ख) प्राथमिक डेटा और द्वितीयक डेटा

(ग) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष विक्रय श्रंखला

(घ) घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय विपणन नियोजन

5. निम्नलिखित कथनों पर टिप्पणी कीजिए: **(4X5)**

क) "विपणन शोध रिपोर्ट में केवल परिणामों का उल्लेख होना चाहिए। इसमें अध्ययन परिणामों पर आधारित उचित कार्यवाही के विषय में कोई टिप्पणी नहीं होनी चाहिए"।

ख) 'अन्तर्राष्ट्रीय विपणन शोध जटिलताओं से भरी है'

ग) "वैश्विक स्थिति उत्पादों की उन श्रेणियों के लिए सर्वाधिक प्रभावी है जो 'उच्च- स्पर्श / उच्च-तकनीक' सांतत्य के किसी भी ओर स्थित हों।"

घ) "वैधानिक घटकों का विश्लेषण अंतर्राष्ट्रीय बाजार के चयन में महत्वपूर्ण है"।